Regarding need to address the grievances of cotton farmers of Ganganagar Parliamentary Constituency-laid

श्री निहाल चन्द चौहान **(**गंगानगर**):** मैं सरकार का ध्यान मेरे संसदीय क्षेत्र गंगानगर, राजस्थान के अंतर्गत श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ वह अनूपगढ़ जिलों की ओर आकर्षित करना चाहूंगा, जो कि कृषि प्रधान जिले हैं और यहां पर नरमा/कपास की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है ।

पहले यहां के किसानों को बीज कंपनियों द्वारा BT व नॉन BT बीजों को अलग-अलग पैकिंग में दिया जाता था, जिस कारण किसान BT बीजों को खेतों के चारों ओर बोते थे और नॉन BT बीजों को बीच खेतों में बोया जाता था, जिस कारण फसलों को कम नुकसान होता था, लेकिन अब दोनों बीजों की एक साथ पैकिंग में किसानों को दोनों बीजों में फर्क करना मुश्किल हो गया है, जिस कारण फसलों को अत्यधिक नुकसान हुआ है ।

इस वर्ष नरमा/कपास की फसल पर खराब मौसम और गुलाबी सुंडी (कीड़े) की मार पड़ने के कारण हमारे क्षेत्र में पैदावार में काफी कमी आई है, जिस कारण यहां के किसान पहले से परेशान थे और वर्तमान में यहां नरमा/कपास न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से लगभग ₹1000/- से ₹1500/- प्रति क्विटल कम के भाव में बिक रहा है, जिस कारण स्थानीय किसानों को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है और यह लोग मानसिक और आर्थिक तौर पर प्रताड़ित हो रहे हैं ।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र के किसानों को राहत प्रदान करते हुए इस विषय में कंपनियों व संबंधित विभागों को उचित दिशा निर्देश जारी करने का कष्ट करें, ताकि नरमा के इन किसानों को भविष्य में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े ।